हरिभूमि

# शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, गुरुवार 28 मार्च 2024

login : www.haribhoomi.com



## खबर संक्षेप

### नगर में संपूर्ण उत्साह से मनाई गई होली

**भूआबिछिया।** पांच दिवसीय होली का महा त्योहार सम्पूर्ण नगर सहित पुरे छेत्र में हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया, होलिका दहन के पस्चात दुसरे दिन धुलेडी के दिन लोगों ने अपने-अपने घरों के बाहर निकल कर जमकर रंग गुलाल खेले और लोगों को होली की शुभकामनाएं दी इस अवसर पर महिलाओं और बच्चों का उत्साह सबसे ज्यादा देखने को मिला , राम मंदिर होलिका उत्सव में महिलाओ और बच्चो ने होली जलने के बाद से ही जम कर रंग गुलाल से होली खेली,,मंगलवार के दिन भी गांव मोहल्ला और बाजार में होली की रौनक देखने को मिली आज बुधवार के दिन भाई दूज के अवसर पर होली के उत्साह के साथ-साथ बहनों ने अपने भाइयों के लिऐ सुख समृद्धि की कामना की ओर भाइयों को तिलक लगाकर मिष्ठान और फल देकर उनका सुख समृद्धि की कामना की, 5 दिनो के त्यौहार में लगातार तीन दिन तक होली का पर्व उत्साह से मनाया गया सामाजिक स्तर पर जगह जगह फाग गाई गई होली के उत्सव होली मिलन समारोह का अयोजन किया गया, 29 मार्च को को मनाई जाएगी रंग पंचमी जिसकी तैयारिया नगर और ग्रामों चल रही है।

### मतदान केन्द्र का भ्रमण कर युवा मतदाताओं की चर्चा

**पुलिस अधीक्षक मंडला महाराजपुर क्षेत्र के 12 मतदान केन्द्रों का किया भ्रमण**

**मण्डला।** मंडला जिले में आगामी 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव संपन्न होने है। जिला व पुलिस प्रशासन ने शांतिपूर्ण व निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं। जिले की बाहरी सीमाओं पर दूसरे राज्यों से आने वाले वाहनों की सघन चेकिंग की जा रहीं हैं। इसके साथ ही जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे है। जिले की समस्त सीमा क्षेत्रों मे चेक प्वाईंट बनाकर जांच की जा रही है। अंर्तराज्यीय चेक पोस्ट पर चौबीसों घंटे पुलिस व प्रशासन के अमले द्वारा बाहरी राज्यों से आने वाले समस्त वाहनों की बारिकी से जांच एवं उन पर नजर रखी जा रहीं हैं। इसके साथ मंडला पुलिस द्वारा मतदान केन्द्रों का भ्रमण करते हुए युवा मतदाताओं से चर्चा भी कर रहे है। जानकारी अनुसार पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा आगामी लोकसभा चुनाव 2024 के दृष्टिगत शांति व सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए थाना क्षेत्रान्तर्गत महाराजपुर के 12 मतदान केन्द्रों में पुलिस बल के साथ भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान उपस्थित पुलिस अधिकारियों को सुरक्षा व्यवस्था से संबंधित आवश्यक निर्देश भी दिये। मतदान केन्द्रों के भ्रमण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने युवा मतदाताओं से चर्चा भी की।

### होली के त्यौहार मे मातम की खबर

**कोतमा।** नगर में जहां एक ओर होली का पर्व बड़े धूमधाम एवं उत्साह के मनाया जा रहा था वहीं कोतमा नगर पालिका अंतर्गत वार्ड क्रमांक 9 कलमुड़ी में एक दुखद हादसा सामने आया जहां एक 10 वर्षीय बालक की कुआं में गिरकर डूबने से मौत हो गई। बताया जाता है कि प्रीतम भरिया 10 साल पिता स्वर्गीय संजू भरिया जो कि गांव के ही कुछ लोगों के साथ होली खेलने निकला था और दोपहर में नहाने के दौरान कुआं में गिर गया। घटना की खबर से पूरे वार्ड में सनसनी फैल गई। मामले की सूचना वार्डवासियों द्वारा थाने में दी गई। पुलिस ने शव परीक्षण कर पीएम उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया।

## नकली सीबीआई अधिकारी को बम्हनी पुलिस ने किया गिरफ्तार

# पति-पत्नी को सीबीआई में नौकरी का झांसा देकर ठगे 1 लाख 68 हजार रूपए

मण्डला

आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में धोखाधड़ी करने के साथ लालच देकर लोगों से ठगी करने का मामला सामने आया है। जिसमें एक ठग बाज ने पति, पत्नि को सीबीआई में नौकरी दिलाने का झांसा देकर पीड़ित से करीब डेढ़ लाख रूपए की ठगी की। जिसकी शिकायत पीड़ित ने बम्हनी थाने में की है। शिकायत पर बम्हनी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए बम्हनी पुलिस ने सीबीआई में नौकरी का झांसा देने के आरोप में एक नकली सीबीआई अधिकारी को गिरफ्तार किया है।

जानकारी अनुसार आरोपी वीरेन्द्र कुशराम ने बम्हनी थाना क्षेत्र में एक दंपति को सीबीआई में नियुक्ति दिलाने के नाम पर अलग-अलग दिनांक को ऑनलाईन और नगद के माध्यम से करीब 1 लाख 68 हजार रुपए ठग लिए। आरोपी ने उन्हें फर्जी नियुक्ति पत्र और आईडी कार्ड भी दे दिए। ठगी का शिकार हुए पीड़ित जब वैरिफिकेशन के लिए थाने पहुंचे तब मामले का खुलासा हुआ। आरोपी को पकडने के लिए अनुविभागीय अधिकारी पुलिस नैनपुर पीयूष मिश्रा के निर्देशन पर थाना प्रभारी वर्षा पटैल थाना बम्हनी में थाना स्तर पर टीम गठित की गई। बम्हनी पुलिस टीम द्वारा आरोपी की पता साजी शुरू की गई।

आरोपी के पास मिले विभिन्न संस्थानों के नकली आई कार्ड समेत अन्य दस्तावेज

### आरोपी के पास मिले फर्जी दस्तावेज -

बता दे कि आरोपी निवास स्थान से फरार हो गया था। बम्हनी पुलिस टीम ने आरोपी की जानकारी जुटाई और आरोपी वीरेन्द्र पिता कोहलू सिंह कुशराम 35 साल साकिन बम्हनी बंजर को ग्राम चमरवाही से गिरफ्तार किया गया। आरोपी से पास से शपथ पत्र, आरोपी का नियुक्ति पत्र, आरोपी का क्राईम कंट्रोल, भारतीय प्रशासनिक सुधार एवं जन शिकायत परिसर का आईकार्ड, आरोपी का नेशनल क्राईम ब्युरो आफ इंवेशटिगेशन कार्ड, आरोपी का राष्ट्रीय अपराध अनुसंधान खुफिया ब्युरो कार्ड, एक शील जिसमें सुरक्षा इंवेशटिगेशन, आरोपी की वर्दी पहने हुए पासपोर्ट फोटो, नगदी 25 हजार रूपये, एक रेडमी कंपनी का मोबाईल आरोपी के पास से बरामद किया गया है।

### इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका -

पुलिस ने बम्हनी निवासी नकली सीबीआई अधिकारी वीरेन्द्र कुशराम को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में विवेचना जारी है और भी तथ्यों की जांच की जा रही है। उक्त आरोपी द्वारा अपना जुर्म स्वीकार करने पर आरोपी को गिरफ्तार कर मंडला न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक वर्षा पटेल थाना प्रभारी बम्हनी, उप निरीक्षक जंयत पिछोडे, खुशबु बिसेन, प्रधान आरक्षक. विवेक दुबे, सचिन, आरक्षक कुनाल, शिवराम बघेल, धीरेन्द्र तेकाम, सुरेश भटेरे सायबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

### इनका कहना है -

स्वयं को सीबीआई अधिकारी बता कर आरोपी वीरेन्द्र कुशराम भोले भाले ग्रामीणों को सीबीआई में नौकरी का झांसा देकर उनसे पैसे लेता है। इसने फर्जी दस्तावेज बनाकर रखे हैं, जिनके आधार पर ग्रामीणों को ठगता है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया है।

**वर्षा पटेल**
**निरीक्षक, बम्हनी थाना प्रभारी**

# धूमधाम से मनाई होली, बरसा गुलाल मस्ती में झूमे

मण्डला

जिले भर में होली का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। रंग के त्यौहार पर खूब जमकर रंग, गुलाल उड़े। बच्चों, युवा, बड़ों ओर बुजूर्गो में उत्साह तो देखा गया। होली के रंग में युवाओं की टोली सुबह से निकली और मोहल्ले-मोहल्ले जाकर गुलाल से पूरे माहौल को सतरंगी कर दिया। युवक टोलियां बनाकर एक-दूसरे के घरों में जाकर रंग लगाते नजर आए। वही जगह-जगह युवकों ने ढोल, बाजे की धुनों पर नाच गाकर होली का पर्व पहले और दूसरे दिन मनाया। यह सिलसिला देर शाम तक जारी है। होली पर्व को लेकर पुलिस द्वारा सुरक्षा के काफी पुख्ता प्रबंध किए गए थे। हर क्षेत्र में पुलिस के जवानों को तैनात किया गया था। फाग पर रंगों की खुमारी हर वर्ग पर चढ़ी रही। युवा क्या, बच्चे और महिलाओं ने भी टोलियां बनाकर जमकर धमाल मचाया। रंग-बिरंगे गुलाल व रंगों से हर कोई सराबोर दिखाई दिया। सभी ने जमकर होली का लुत्फ उठाया और इस दिन की शुभकामनाएं दीं। होली के दूसरे दिन निकलते ही बच्चे रंग भरे गुब्बारे लेकर सड़कों पर निकल पड़े। जो भी आता उस पर गुब्बार फोड़ देते। वहीं परिवार के युवा व बड़ों ने बुजुर्गों को गुलाल व रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं और शुभाशीष लिया। महिलाओं ने पहले घरों में पकवान बनाए और पूजा अर्चना की। इसके बाद युवा वर्ग, महिला वर्ग अलग-अलग टोलियां बनाकर घरों से निकले। पहले आस-पड़ोस फिर मंदिर या फिर अपने इष्टजनों के यहां पहुंचकर निर्धारित स्थानों पर एकत्र होकर जमकर एक दूसरे को गुलाल और रंग लगाया। वहीं तमाम युवा रंगों में सराबोर होते हुए बाइकों पर सवार होकर निकले। कई स्थानों पर महिलाओं व युवाओं ने अपनी टोलियां बनाकर रंग लगाए और जगह-जगह डीजे की धुनों पर जमकर डांस किया। हर ओर रंग बरसता दिखाई दिया। रंग बिरंगे रंगों से सराबोर हर कोई होली में मदमस्त दिखाई दिया।

### हर घर में सजा व्यंजन -

पुरानी कहावत है कि होली पर दुश्मन भी गले लग जाते हैं। हर साल होली पर ऐसा ही होता है। यही कारण है कि होली पर घर आने वाले आगंतुकों के लिए गुझिया से लेकर तमाम तरह के पकवान बनाए जाते हैं। इस होली पर भी यही हुआ। शायद ही ऐसा कोई घर रहा हो जहां गुझिया, मठरी, नमकीन, दही बड़ा, मिठाईयां आदि न बनाए हों और जिसका हुरियारों ने इसका खूब लाभ उठाया।

### भेजे बधाई संदेश -

होली के त्योहार पर सोशल मीडिया में बधाई, शुभकामनाएओं का दौर दिन भर चलता रहा। लोग अपने दोस्त, रिश्तेदारों, जान पहचान वालों को सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई संदेश भेजे।

### भैया दूज मनाया -

होली के दूसरे दिन भैया-दूज पर्व मनाया गया। बहनों ने भाईयों के माथे पर मंगल तिलक लगाकर उनके दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने इस मौके पर बहनों को उपहार भी दिए। मंदिरों में विशेष आयोजन भी हुए।

### रंग की अपेक्षा गुलाल बना लोगों की पसंद -

होली पर्व में लोग अब रंगों की अपेक्षा गुलाल का उपयोग ज्यादा करने लगे है, आमजन अब जागरूक हो रहे है कि पानी की हर बूंद कितनी अनमोल है। पानी के रंगों से परहेज करते हुए अधिकांश लोगों ने गुलाल की सूखी होली खेलना अधिक पसंद किया। जिसके चलते कुछ स्थानों को छोड़कर गली, मुहल्लों और घरों में केवल अबीर-गुलाल की होली खेली गई। जिसके चलते पानी के बचत के साथ-साथ केमिकल युक्त रंगों से शरीर पर होने वाले विपरीत प्रभाव से बचने के लिए लोगो ने अधिक प्रयास किए। गुलाल से होली खेल रहे युवक रोहित चौकसे का कहना था कि केमिकल युक्त रंगों से होली खेलने के बाद काफी समय उसे चेहरे से हटाने में लगता है और गुलाल से होली खेलने पर चेहरा भी खराब नहीं होता है साथ ही गुलाल से उड़ती सुगंध भी मन को अच्छी लगती है।

# पांच हजार कंडों से किया वैदिक होलिका दहन

## वैदिक परिवार मंडला का सफलतम 9 वां वर्ष

मण्डला

वैदिक परिवार मंडला द्वारा प्रतिवर्ष विशाल होलिका दहन समारोह का आयोजन करता है। वैदिक परिवार का मुख्य उद्देश है कि हमारे बच्चों को हमारे संस्कारों से जोडने के साथ ही होलिका दहन को लेकर जो भ्रांतियां प्रचलित थी उन्हें दूर करना भी समिति का लक्ष्य है। वैदिक परिवार द्वारा किए जा रहे इस होलिका दहन में दहन पूर्णतः गोबर के उपलों (कंडो) द्वारा किया जाता है। इस दहन में लगभग 3000 से 5000 उपलों का उपयोग किया जाता है, वैदिक परिवार मंडला के इस आयोजन ने 9 वे वर्ष में सफलता पूर्वक प्रवेश किया है। जिसमें शहर वासियों का विशेष सहयोग रहता है।

### ज्ञात हो कि वैदिक परिवार मंडला द्वारा होलिका दहन

आयोजन प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी किया गया। जिसमें विशाल होलिका दहन समारोह अग्रसेन चौक तहसील तिराहा में आयोजित किया गया। 24 मार्च को सुबह 10 बजे होलिका मूर्ति की स्थापना की गई, इसके बाद 24 मार्च की रात्रि 10.30 बजे से होलिका दहन प्रारंभ किया गया। होलिका दहन गोबर के पांच हजार कंडो से किया गया। आयोजन समिति का मुख्य उद्देश हमारी वैदिक परम्पराओ को जीवित रखना है। इस आयोजन में होलिका दहन पूर्णत वैदिक रीती रिवाजों से किया जाता है , रात्रि 11 बजकर 15 मिनट पर पंडित द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण, पूजन प्रसाद अर्पण कर होलिका दहन कराया गया। इस दौरान शहर के नागरिको द्वारा अपनी सहभागिता दर्ज कराई गई। होलिका दहन के दौरान जागरूकता संदेश भी दिया गया। दहन में मुख्य रूप से गोबर के कंडो, कपूर, इलायची, हवन सामग्री, देशी घी का उपयोग किया गया। ज्ञात हो कि वैदिक परिवार मंडला द्वारा पांच हजार कंडों से होलिका दहन किया गया। यह दहन रात्रि 11 बजकर 15 मिनट से प्रारंभ होकर रात्रि 12 बजकर 30 मिनट तक चला। जिसमें लगतार शहर के नागरिको ने दहन स्थल की परिक्रमा के साथ ही समिति द्वारा नजर उतरने के सामग्री चोकर, लाल मिर्च की भी व्यवस्था की गई थी। कार्यक्रम के दौरान नगरपालिका प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं यातायात विभाग का विशेष सहयोग रहा। आयोजन स्थल के चारो और विशेष पुलिस व्यवस्था रही। आयोजक समिति वैदिक परिवार मंडला द्वारा आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी नगर वासियों का आभार प्रकट किया गया है।

## पूज्य सिंधी पंचायत का होली मिलन समारोह आयोजित

# शोकाकुल परिवारों को रंग गुलाल तिलक लगाकर मनाया रंगों का त्यौहार

मण्डला

पूज्य सिंधी पंचायत के द्वारा रंगों के पर्व को अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में सामाजिक जनों की उपस्थिति में मनाया गया,सर्वप्रथम सामाजिक जनों ने मिलकर श्री गणेश भगवान की आरती पूजा की, इसके पश्चात श्री गुरुद्वारा साहिब में स्थित श्री राम दरबार,श्री झूलेलाल सांई एवं भगवान कृष्ण राधा की आरती पूजा की गई, माल्यार्पण कर स्तुति आराधना की गई,सभी परिवारों के लिए सुख शांति के लिए पल्लव पूजा के साथ गुरू अरदास की गई, इसमें सिंधी समाज के सभी परिवारों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए, प्रतिवर्ष की भांति गत वर्ष में हुए शोकाकुल परिवारों के सदस्यों को रंग गुलाल तिलक लगाकर होली का पर्व मनाते हुए शुभकामनाएं दी एवं सभी परिवारों की सुख शांति के लिए कामना की गई,कार्यक्रम के अंत में प्रसादी का वितरण किया गया एवं स्वल्पाहार आयोजित किया गया।

# गुलाल के रंग में रंगा सूर्यकुण्ड धाम, भक्तों का लगा तांता

## महाआरती के बाद सूर्यकुण्ड धाम में हुआ होली मिलन समारोह

मण्डला

श्री सूर्यकुण्ड हनुमान जी महाआरती भंडारा समिति सकवाह द्वारा सूर्यकुण्ड धाम में वर्ष भर विविध आयोजन किए जाते है। जिसमें आयोजन की शुरूआत माँ नर्मदा जन्मोत्सव शुरू की जाती है। इसके बाद महानंदा नवमी, होली के दूसरे दिन होली मिलन समारोह मनाया जाता है। वैशाख पूर्णिमा में हनुमान जी को मलीदा अर्पण, श्री शनि महाराज जन्मोत्सव, जून माह में फल उत्सव मनाया जाता है। जिसमें श्री हनुमान को सभी प्रकार के फल अर्पित किए जाते है और मंदिर को फलों से सजाया जाता है। 56 भोग का अर्पण, हनुमान प्रकटोत्सव एवं नरक चौदस छोटी दीवाली को हनुमान जी का अभिषेक, पूजन व प्रसादी वितरण, विगत तीन वर्षो से लगातार रामचरित मानस पाठ किया जा रहा है। समिति के सदस्यों ने बताया कि इस वर्ष होली पर्व के दूसरे दिन मंगलवार भी पड़ा। यहां सूर्यकुण्ड में प्रति मंगलवार को ब्रम्हमुहूर्त 3 बजकर 45 में हनुमान जी की महाआरती का आयोजन किया जाता है। जिसमें बड़ी संख्या में श्रृद्धालु अपनी उपस्थिति दर्ज कराते है। इस वर्ष भी होली पर्व पर ब्रम्ह मुर्हूत में भक्तों ने अपनी उपस्थिति दी और महाआरती में शामिल हुए। इसके बाद शाम को होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें जिला मुख्यालय समेत आसपास के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। ज्ञात हो कि शाम सात बजे से होली मिलन समारोह कार्यक्रम की शुरू की गई। जिसमें सबसे पहले हनुमान जी महाराज का पूजन अर्चन किया गया। पूजन के दौरान भक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। हनुमान जी महाराज के दरबार में गुलाल की बरसात की गई। गुलाल के रंग में उपस्थित भक्त रंग गए। इसके बाद महाआरती शुरू की गई। हनुमान जी की आरती के बाद होली मिलन समारोह शुरू हुआ, जो देर रात्रि करीब 11 बजे तक चलता रहा। गुलाल के रंग और बैंड, बाजों की धुन में मौजूद श्रृद्धालुओं के कदम रूक नहीं सके। गुलाल की लालिमा में रंगे हुए लोग जमकर नाचे। सूर्यकुण्ड धाम में जमकर गुलाल से होली खेली गई।

## द्वितीय चरण में बच्चे कर सकते है स्कूल की च्वाईस अपडेट

## आरटीई के तहत निजी संस्थाओं में निःशुल्क शिक्षा के लिए प्रवेश

# प्रथम चरण में लॉटरी से 599 बच्चों को मिला निजी स्कूलों में प्रवेश

**मण्डला।** जरूरतमंद बच्चों को निजी संस्थाओं में निःशुल्क शिक्षा दिलाने के लिए आरटीई अधिनियम के तहत प्रवेश दिलाया जा रहा है। जिसको लेकर अभिभावकों में खासा उत्साह भी देखा जा रहा है। पहले चरण में निर्धारित 884 सीट के लिए 941 आवेदन हुए लेकिन कुछ अभिभावकों ने नजदीक स्कूल न मिलने या अन्य कारणों से बच्चों को प्रवेश नहीं दिलाया। इन्हें अब प्रवेश के लिए एक अवसर और मिलेगा। जहां वे एक बार फिर से अपने स्कूलों का चयन कर सकेंगे। आरटीई अधिनियम प्रायवेट शालाओं की प्रथम प्रवेशित कक्षा में 2 अप्रेल से 4 अप्रेल तक द्वितीय चरण के लिए आवेदन लिए जाएंगे। जानकारी के अनुसार जिले के 169 अशासकीय शालाओं के लिए 884 बच्चो की सीट संख्या निर्धारित की गई है। जिसमें प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण किया जाना है। पहले चरण की प्रक्रिया पूरी हो गई है। जिसमें जिले के 9 विकासखंडो से 941 आवेदन प्राप्त हुए। उक्त प्राप्त आवेदन में 807 आवेदको द्वारा सत्यापन कराया गया। आवेदको के सत्यापन के बाद प्रथम चरण की लॉटरी में 807 आवेदन सम्मिलित किए गए। जिसमें प्रथम चरण में 641 बच्चे प्रवेश के लिए आबंटित हुए। प्रथम चरण की लॉटरी में आवंटित 641 में से 599 बच्चों ने प्रवेश लिया शेष 42 बच्चे उनकी च्वाईस के अनुसार स्कूल न मिलने के कारण प्रवेश नहीं लिया।

**42 बच्चे को नहीं मिला च्वाईस अनुसार स्कूल**

### द्वितीय चरण में छात्र अपनी च्वाइस कर सकते है अपडेट -

प्रथम चरण की प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण होने बाद स्कूलों में रिक्त रह गई सीटों पर प्रवेश के लिए द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया 2 अप्रेल से 4 अप्रैल तक प्रारंभ होना है। जिसमें आवेदकों को पृथक से आवेदन एवं सत्यापन कराने की आवश्यकता नहीं है। आवेदन में केवल स्कूल की च्वाइस ही अपडेट हो सकेगी। द्वितीय चरण में स्कूल च्वाईस अपडेट करने के लिए वह आवेदक पात्र नहीं है जो सत्यापन के बाद अपात्र पाए गए थे। जिन आवेदको को प्रथम चरण में स्कूल आवंटन हुआ है एवं आवंटित स्कूल में प्रवेश ले लिया है वह द्वितीय चरण के लिए पात्र नहीं है। आवेदक जिन्होने सत्र 2024-25 प्रथम चरण में आवेदन किया था एवं सत्यापन के बाद पात्र पाए गए थे लेकिन प्रथम चरण में कोई स्कूल आवंटित नहीं हुआ है अथवा प्रथम चरण में आवंटन के बाद संबंधित स्कूल में प्रवेश नहीं लिया है वह द्वितीय चरण के लिए स्कूल की च्वाइस अपडेट कर सकते है।

**08 अप्रैल के बाद होगी द्वितीय चरण की प्रवेश प्रक्रिया -**

द्वितीय चरण निःशुल्क प्रवेश के लिए आवेदन में केवल करेक्शन उपरोक्तानुसार निर्देशो के तहत ऑनलाईन ही दर्ज होंगे ऑफलाईन कोई आवेदन मान्य नहीं होगें। 2 अप्रेल से 4 अप्रेल तक की सुविधा दी गई है।

## खबर संक्षेप

### अगर जे नशा करते रहे तो एक दिन मर ही जायेंगे

**गाडरवारा।** आज की लगभग आधी आबादी तंबाकू का सेवन करती है लेकिन तंबाकू के सेवन से होने वाले नुकसान के बारे में उनको पता भी हो लेकिन उनका फिर भी न चेतना एक अंधेरे भविष्य की ओर इशारा करता है,बरेली निवासी एक गृहणी कहती है कि उनके पति बहुत गुटखा खाते थे। इसके लिए उन्होंने कई प्रयास किये लेकिन वह अपने पति का गुटखा नहीं छुड़ा पाऱ्इं, इसके बाद उक्त गृहणी ने एक बार अपने पति को धमकी दी थी कि यदि वे गुटखा नहीं छोड़ेंगे तो में मायके चली जाऊँगीं,इसके बाद भी उन पतिदेव ने गुटखा नहीं छोड़ा,तंबाकू उत्पाद की आहत पर जाने की स्थिति बहुत खतरनाक होती है। घर के सदस्यों को देखकर बच्चे उनकी नकल करते हैं,कुछ लोग मानसिक तनाव की अधिकता व मित्रों की संगत में पड़कर धूम्रपान व पाऊचों को खाने के शिकार हो जाते हैं। इन पाऊचों में कुछ इस तरह के केमिकल रहते हैं जो उसका आदी बना देते हैं। देखा गया है कि तंबाकू का उपयोग कम हुआ है लेकिन पाऊचों का सेवन बहुत तेजी से बढ़ा है, तंबाकू का सेवन करने वालों को मुँह का कैंसर आमतौर पर गालों की तरफ होता है जो गुटखा या पान मसाला घंटों मुंह में दबाये रहते हैं। गुटखे में तंबाकू के अलावा चूना और सुपारी कैंसर की संभावना को बढ़ा देती है। वही गौर किया जावे तो इसवका कारण यह है कि शरीर के किसी अंग विशेष या त्वचा में लगातार रगड़ पड़ती रहे तो उस स्थान पर कैंसर पनप सकता है। गुटखा या पान मसाले में मौजूद चूना गालों को नाजुक भीतरी त्वचा का क्षरण करता है,इसके साथ ही मुँह में मौजूद सुपारी त्वचा रगड़ खाती है जिससे त्वचा में घाव उत्पन्न होने लगता है। तंबाकू में मौजूदा हानिकारक केमिकल घाव के जरिये त्वचा में प्रवेश कर कोशिकाओं के नुकसान पहुँचाने लगते हैं कालांतर में कोशिकाओं के बनने की प्रक्रिया अनियंत्रित हो जाती है और कैंसर पनप जाता है,शरीर के किसी हिस्से में कोशिकाओं की असामान्य वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता है। यह असामान्य वृद्धि शरीर के लिए घातक होती है। मुँह पूरा खोलने में परेशानी होना, मुँह के अंदर त्वचा पर सफेद धब्बे पड़ना या उन पर गांठ उत्पन्न होना ही कैंसर के प्रारंभिक लक्षण हैं। इसके साथ कोई तीखी चीज खाने पर मुँह में जलन पड़ना शुरू हो जाती है। मुँह से निकलने वाली सांस भी बदबूदार हो जाती है। जीभ के निचले हिस्से में भी गांठ पड़ना कैंसर का प्रमुख लक्षण होता है।

### शहीद नगरी चीचली मुख्य मार्ग पर वाहन खड़े रहने के चलते आमजन हो रहे परेशान

**चीचली।** इस समय जिस प्रकार से नगर पंचायत चीचली की यातायात व्यवस्था पटरी से उतरी हुई देखी जा रही है उसके सुधार को लेकर न तो प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा किसी भी प्रकार का ध्यान दिया जा रहा है और न ही जिम्मेदार माने जाने वाले जनप्रतिनिधियों द्वारा जिसका परिणाम है कि नगर के बाजार क्षेत्र में जहां दुकानदारों द्वारा खुलेआम अपनी दुकानों को मुख्य सड़को पर फैलाते हुये जाम की स्थिति निर्मित करने से नही चूक रहे है, वही दूसरी ओर प्रभावशालियों के वाहनों का हाल तो इस प्रकार से बना हुआ है कि वह मुख्य मार्गो पर खड़े करते हुये अपने घरों में जिस प्रकार से आराम फरमाते हुये देखे जाते है उसके चलते बाजार क्षेत्र में आये दिन जाम की स्थिति निर्मित होने के कारण स्कूली बच्चों के वाहन बाजार के अंदर जाम में फंसने के कारण स्कूली बसों में सबार मासूम भूख प्यास से तड़पने के लिये मजबूर होते हुये देखे जाते है? वही दूसरी ओर बडे वाहनों को बाजार क्षेत्र में प्रवेश करने के लिये आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा होने से भी नही चूक रहा है? इस सच्चाई को लगातर उजागर किये जाने के बाद भी लगातार बिगड़ रही शहीद नगरी चीचली की यातायात व्यवस्था की ओर किसी के द्वारा भी ध्यान नही दिये जाने का परिणाम इस प्रकार से निर्मित हो चुका है कि आमजन के बाजार क्षेत्र से अपने छोटे वाहन निकालने की बात तो दूर पैदल निकलना तक मुश्किल होने लगा है।

## जरा सी चूक के चलते होली की खुशियां मातम में हुई तब्दील

# होली खेलने के बाद नर्मदा स्नान करने के लिये बच्चों की टोली में पांच डूबे

## नर्मदा नदी में चार को बचाया सुरक्षित, एक की मौत

कभी कभी देखा जाता है कि बच्चों द्वारा की जाने वाल नादानी कही जावे या फिर चूक का परिणाम जिसके चलते खुशी का महौल मातम में बदलने स नही चूकत है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये सोमवार को उस समय देखने मिली जब संपूर्ण गाडरवारा नगर होली की खुशियों में मग्न था और दोपहर के समय अचानक खबर मिली की शहर के कुछ बच्चे नर्मदा नदी के ककरा घाट नहाने के लिये गये हुये थें जो गहरे पानी में जाने के कारण पांच बच्चें डूब गये जिसमें चार को सुरक्षित बचा लिया गया। मगर एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई।

**गाडरवारा**

यह खबर सोशल मीडिया के माध्यम से सिर्फ नगर ही नही संपूर्ण क्षेत्र में आग की तरह फैलने से नही चूक पाई थी और शहर का होली की खुशी में डूबा हुआ संपूर्ण महौल चंद मिनिटों के अंदर मातम में तब्दील होने से नही चूक पाया था। वही दूसरी ओर नर्मदा नदी में डूबने की खबर मिलते ही होली व्यवस्थाओं में जुटा हुआ संपूर्ण प्रशासन नर्मदाजी के ककरा घाट पहुंचन से नही चूक पाया था। इस तरह नगर के होनहार युवक के नर्मदा नदी में डूबने की खबर को लेकर सभी लोगों के दिलों में यही सबाल पैदा हो रह था कि आखिरकार रंगों से भरे हुये होली त्यौहार के मौके पर आखिरकार किसके घर का दीपक बुझ होगा..? खुशियों भर हुये त्यौहार के बीच घटित हुई घटना के संबंध में प्राप्त हुई जानकारी के अनुसार भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री संदीप पलोड़ का इकलौता पुत्र पार्थ पलोड़ उम्र लगभग 20 वर्ष सुबह 10 बजे से अपने साथियों के साथ नगर में होली त्यौहार मनाते हुये देखा जा रहा था। इस तरह जब सभी मित्रगण होली के रंग में रंगीन होने के बाद बच्चों की टीम ने सोचा कि क्यों न सभी लोग नर्मदा नदी के ककरा घाट स्नान करने चले जहां पर रंग गुलाल की सफाई करके वापिस आवेगे। इसी टीम में शामिल पार्थ पलोड ने खुद व उसके परिजनों ने यह बात सपने में भी नही सोची होगी कि आखिर सुबह से रंगों की मस्ती में मग्न पार्थ जिस रंग को धोने के अपने मित्रों के साथ नर्मदा नदी गया हुआ है वह अब कभी वापिस नही लौटेग..? इस तरह पार्थ पलोड़ सहित नगर के लगभग एक दर्जन से अधिक युवा बच्चें जब होली खैलने के बाद नर्मदा नदी के ककरा घाट पहुंचे और नहाते हुये अचानक पांच लड़के पुलिस के समीप पायों के पास पहुंचे जहां पर अधिक गहराई होने के कारण पांच बच्चे डूबने लगे तो मौके पर मौजूद नर्मदा स्नान करने वाले अन्य लोगों सहित नर्मदा नदी में नाव चला रहे लोगों द्वारा डूबते हुये इन बच्चों को बचाने के लिये नर्मदा नदी के गहरे पानी में छल्लांग लगा दी गई जिसके चलते चार बच्चों को तो सुरक्षित बचा लिया गया। मगर जब तक पार्थ पलोड़ को बचाने में सफलता मिलती जब तक काफी देर हो चुकी थी। इस तरह नर्मदाजी के गहरे पानी से लोगों द्वारा पार्थ पलोड के शव को बुडी मुश्किल से निकालते हुये तट पर लाया गया। इस घटना की जानकारी मिलते ही पार्थ पलोड के परिजनों सहित नगर के अन्य लोग जो नर्मदाजी के तट यानि की घटना स्थल पर पहुंचे थें वह सभी बच्चों को बड़ी ही उम्मीदों के साथ शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा लेकर आये। मगर यहां पर डाक्टरों द्वारा जहां पार्थ पलोड़ को मृत घोषित कर दिया गया। वही अन्य दो बच्चों की स्थिति गंभीर होने के चलते जिला चिकित्सालय हेतु रेफर किया गया था। इस तरह भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री संदीप पलोड़ के पुत्र पार्थ पलोड की नर्मदा नदी में डूबने की मौत की खबर नगर में फैलते ही लोगों का शासकीय चिकित्सालय में हुजूम लगने से नही चूक पाया था। वही दूसरी ओर पुलिस द्वारा पार्थ पलोड की नर्मदा में डूबने से हुई मौत के चलते मर्ग कायम करते हुये मामले को जांच में लिया गया है। वही दूसरी ओर जिन अन्य दो बच्चों को स्थिति गंभीर होने के चलते जिला चिकित्सालय रेफर किया गया था अब उनकी स्थिति सामान्य बताई जा रही है। इस तरह होली त्यौहार के बीच घटित हुई इस घटना के चलते नगर का संपूर्ण खुशी के महौल के दौरान शोक की लहर दौड़ते हुये दिखाई दे रही है।

# समाजसेवी बसेड़िया ने दुर्गम पहुंच से दूर वनांचल ग्रामीणजनों के बीच मनाई होती

**गाडरवारा।** भले ही शासन प्रशासन द्वारा कीतने भी दावे किये जावे कि खुशियाली की किरण कौने कौने तक पहुंच रही है। मगर गाडरवारा क्षेत्र के कुछ इस तरह की गांव है जहां पर लोगों की पहुंच से दूर होने के चलते यहां के लोग योजनाओ से बंचित देखे जाते है तो दूसरी ओर यहां पर निवास करने वाले लोगों को त्यौहारों का सही रूप से महत्व ही पता नही चल पाता है। मगर इस तरह के लोगों के बीच समाजसेवी मुकेश बसेड़िया पहुंचने से नही चूकते है। वह दीवाली का त्यौहार हो या फिर होली या फिर रक्षा वंदन इन लोगों के बीच पहुंचकर अपनी खुशिया बांटने से नही चूकते है। कुछ इसी प्रकार से होली के पहले समाजसेवी बसेड़िया द्वारा इन गांवों में पहुंचकर बच्चों के लिये होली संबंधी सामग्री प्रदान करते हुये होली के रंग बिखरने में कोई कसर नही छोड़ी गई। बताया जाता है कि नगर के समाजसेवी मुकेश हर साल की तरह रंगोत्सव का पर्व होली का त्यौहार दुर्गम दुरस्थ पहाड़ो पर बने वनांचल ग्रामो में आदिवासी

बच्चो एवं बीच पहुंचकर मनाय गया। इस अवसर पर उंन्होने बच्चों को रंग के पैकिट ,पिचकारी, मुखोटे , गुब्बारे , होली की टोपियां सहित अन्य प्रकार की सामग्री बच्चो को प्रदान करते हुये उनके साथ रंग गुलाल डालकर होली मनाई गई। इस तरह रंगोत्सव के शुभारंभ पर उन्होंने आदिवासी भाईयों को वस्त्र एवं रुमाल प्रदान कर उन्हें गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं प्रदान की एवं ग्रामवासियों के साथ सामूहिक देशी गायन फाग का आनन्द लिया। बसेडिया ने इस दौरान माताओं ,बहनों को भी श्रृंगार सामग्री एवं गुलाल भेंट किया। इस दौरान बच्चो की शिक्षा के प्रोत्साहन हेतु पठन लेखन सामग्री, स्कूल ड्रेस,बॉटल आदि के साथ वस्त्र , टॉफी ,बिस्कुट भी प्रदान करते हुये उन्होंने बताया कि उपरोक्त रंगोत्सव का मुख्य उद्देश्य बच्चों को शिक्षा के प्रति जागरूक करते हुए शिक्षित बनाना तथा आदिवासी भाईयों को अपमी सनातन संस्कृत एवं परंपराओ से जोड़े रखना है।

# खुशियों की पिचकारियों के रंग से सराबोर हुआ शहर भाईचारे की जमकर उड़ी नगर की सड़कों पर गुलाल

**गाडरवारा।** मस्ती, खुशियों का परम्परागत पर्व धुरडी के अवसर पर बीते हुए सोमवार को शहर में शालीनता, सांप्रदायिक सौहार्द्र के साथ होली पर्व हर्षोल्लास से मनाया गया। इस प्रकार से रंगो के त्यौहार होली के दिन शहर के बाजार में सजी रंग गुलाल की दुकानों से अनेक प्रकार के मुखौटे खरीद युवा, बच्चें अपना रूप बदले हुए हुलिये में सुबह से ही नगर की सड़कों, गलियों पर निकले हुये दिखाई देने लगे थें और उन्होनें जमकर खुशियों की पिचकारियों से रंगो की बौछार कर नगर की धरती को लाल कर दिया। वही होली के इस मौके पर खास बात यह रही कि अपने दोस्तो व परिचितो पर रंग डालते हुए उन्हे गुलाल लगाने वाले युवाओं, बच्चों ने मर्यादा का पूरा ध्यान रखा और उन रासायनिक रंगो का होली खेलने में प्रयोग नहीं किया जो स्वास्थ्य को हानि पहुंचाने वाले माने जाते है। यदि इस वर्ष होली उत्सव की सच्चाई पर गौर किया जावे तो लोकसभा चुनाव के चलते जारी चुनाव आचार संहिता के बीच शासन द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करते हुये जहां तहा होली मिलन कार्यक्रम का आयोजन होते हुये देखे गये जिसमें पहुंचने वाले शहरवासियों को अपने तन को पूरी तरह रंगवाकर मोहक अंदाज में नृत्य करने मजबूर होना पड़ा। इस तरह युवाओं ने जगह जगह महफिलें सजा भंग मिली मिठाईयॉ, एक सर्व प्रचालित पेय पदार्थ का सेवन कर झूमते, गाते, परस्पर गले मिल होली मनाने का आनंद लिया। वही होली के इस अवसर पर शहरवासी मंदिरो में भगवान को गुलाल अर्पित करने भी पहुॅचे तथा अनेक स्थानों पर गीत, संगीत के कार्यक्रम आयोजित हुए इस वर्ष विशेष बात थी कि होली के मौके पर नगरवासियों ने नगर में भ्रमण कर शहरवासियों को आत्मीयता के रंग से ओत प्रोत किया। बताया जाता है कि इस होली के अवसर पर शहर में मिठाईयो, फलों, कोल्ड डिंक्स की दुकानों पर भीड़ भाड से भीषण महॅगाई शर्मायी प्रतीत हुई तथा घरों में शुभ चिंतकों की लगातार आव भगत की जाती रही। परम्परा के अनुसार शहरवासी शोकाकुल परिवारों के लोगों को

गुलाल लगाने पहुंचे और सम्बेदनाएॅ व्यक्त कर उनका दुःख हल्का किया। इस वर्ष होली के चलतें नपा. ने पेयजल आपूर्ति, साफ सफाई के बेहतर इंतजाम कर जहां नगरवासियों का दिल जीता। वही कानून व्यवस्था बहाल करने पुलिस भी चौकस रही जिसमें प्रमुख रूप से देखा जावे तो पुलिस विभाग के अनुभवी माने जाने वाले उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा व नगर निरीक्षक उमेश तिवरी सहित संपूर्ण टीम द्वारा नगर में शांति पूर्वक होली मनाने के लिए पुलिस की जो व्यवस्था की गई थी उसे देखते हुए नगर में पहलीवार देखने मिला की आखिर में पुलिस नगरवासियों की सुरक्षा के लिए कितनी जिम्मेदार है।

# लोकसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक ने विभिन्न मतदान केन्द्रों का किया निरीक्षण

**गाडरवारा।** ज्यो ज्यो लोकसभा चुनाव की तिथि नजदीक आती जा रही है त्यों त्यो अधिकारियों की तैयारियों में इजाफा दिखाई दे रहा है। इस तरह लोकसभा निर्वाचन 2024 की तैयारियों को लेकर बीते हुये दिवस जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले तथा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न मतदान केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। जिन केन्द्रो का निरीक्षण किया गया उसमें मुख्य रूप से तेंदूखेड़ा विधान सभा क्षेत्र के ग्रा कौड़िया सहित गाडरवारा विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बम्होरीकला, ग़रधा, दहलवाडा, चीचली व खिरिया शामिल है। बताया जाता है कि जिला स्तर के अधिकारियों द्वारा निरीक्षण के दौरान मतदान केन्द्रों में आवश्यक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक निर्देश देने के साथ उन्होंने इन मतदान केन्द्रों में निःशक्तजनों को आसानी से पहुंचने के लिए रैम्प की व्यवस्था देखी। वही मतदान केन्द्र पर विद्युत, पेयजल, महिला एवं पुरूष शौचालय, व्हीलचेयर की उपलब्धता आदि की जानकारी ली गई। इस दौरान अधिकारियों द्वारा पुलिस एवं

राजस्व विभाग के अमले को संयुक्त रूप से फ्लैग मार्च करने, आमजन को मतदान के प्रति जागरूक करने तथा मादक पदार्थों के अवैध बिक्री, परिवहन करने वालों पर सख़्त कार्यवाही करने के निर्देश देते हुये उन्होंने कहा कि मतदान को प्रभावित करने वाले लोगों पर नज़र रखी जाए। सूचना तंत्र को मज़बूत करने के साथ ही किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि होने पर इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को देने की बात कही गई।

# होली के दौरान पुलिस द्वारा पकड़ी गई भारी मात्रा में अवैध शराब

**गाडरवारा।** शांति पूर्वक होली त्यौहार मनाने तथा लोकसभा चुनाव को लेकर जारी चुनाव आचार सहिता का पालन को लेकर जिल पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देशन में उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के मार्ग दर्शन तथा नगर निरीक्षक उमेश तिवारी के नेतृत्व में गाडरवारा पुलिस द्वारा होली पर की अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही के दौरान लगभग पचास हजार रूपया कीमत की अवैध शराज जप्त करने में सफलता हासिल की गई है। इस तरह पकड़ी गई अवैध शराब 66 लीटर अंग्रेजी-देशी प्लेन एवं 175 लीटर कच्ची महुआ शराब के आलवा साडे तीन क्विटल से अधिक मात्रा का लाहान नष्ट किया गया है। ज्ञात हो कि पुलिस अधीक्षक अमित कुमार के निर्देश पर अपने अपने थाना क्षेत्रों में शांति एवं सौहार्दपूर्ण होली मनाये जाने आवश्यक व्यवस्थाएँ लगाये जाने एवं अवैध शराब के विनिर्माण, परिवहन,संधारण एवं विक्रय करने वालों के विरुद्ध सख्ती से कार्यवाही करने हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नागेन्द्र पटेरिया के मार्ग दर्शन तथा उप पुलिस अधीक्षक रत्नेश मिश्रा के नेतृत्व में थाना प्रभारी उमेश तिवारी द्वारा मुखबिर तंत्र के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि रेल्वे पुलिया गाडरवारा-कान्हरगाँव रोड के पास में अवैध शराब के विनिर्माण,संधारण एवं विक्रय किया जा रहा है । टी आई उमेश तिवारी द्वारा इस सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम द्वारा मौके पर दबिश देकर घेराबंदी कर बड़ी मात्रा में अवैध देशी प्लेन शराब रखे संदेही को गिरफ्त में लिया गया। वही पकड़े गये आरोपी द्वारा पूछताछ के दौरान अपना नाम नर्मदा प्रसाद पिता परमलाल चौधरी उम्र 35 वर्ष निवासी चारगाँव खुर्द मोहल्ला गोटीटोरिया थाना चीचली बताया गया। वही पकड़ी गई शराब में कुल 6 कार्टून में रखी हुई थी जिसमें 290 पाव देशी प्लेन शराब कीमती लगभग 25 हजार जप्त की गई।

# पोषण आहार में बच्चों की जगह अधिकारी दूर कर रहे अपना कुपोषण, अभिभावकों को पता ही नहीं की किस दिन क्या मिलता है बच्चों को..?

**चीचली/गाडरवारा।** जनपद पंचायत चीचली में महिला बाल विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही अनेक जन हितैषी योजना के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवो में देखा जावे तो वह लगातार पिछड़ रहें है। इस क्षेत्र मे संचालित अधिकांश सरकारी योजनाओं में भ्रष्टाचार के चलते इतनी फजीहत में है कि शासन की मंशा कही से किसी कीमत मे पूरी होती नही जान पड़ रही है। आमजन का आरोप है कि ब्लाक स्तर पर बैठे हुये अधिकारियों पर सफेद पोषधारियों की कृपा दृष्टि के चलते भ्रष्टाचार ने सरकार की अनेक महत्वाकांक्षी योजनाओं को ऐसा पलीता लगाया कि योजनाये जहां दम तोडते हुये जन आ रही है और जिम्मेदार अधिकारी जरूरी मालामाल होते हुये देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर आमजन से लेकर पात्र हितग्राही शासन की योजनाओं का लाभ पाने वाले भटकते हुए देखे जा रह है? क्षेत्रवासियों का आरोप है कि शासन द्वारा चलाई जा रही अनेक योजनाओं की उन तक तब जानकारी बहुंचती है जब या तो वह पूरी हो चुकती है, फिर उनमें आई राशि खत्म हो जाती है। ऐसी एक नही अनेक योजनाएं है,जिनका कागजों से हटकर हकीकत में आम लोगों को लाभ मिलना चाहिए,मगर नही मिल पा रहा है, जिसमें अनेक तो महिला बाल विकास के हबाले से जो भ्रष्टाचार व अनियामितताओं का शिकार है? पोषण आहार योजना की जो दुर्दशा जिसमें प्रकार से शहरों में हो रही है,उसे देखकर सहज अंदाजा लगाया जा सकता है कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों मे इस योजना का क्या हाल होगा? हरिभूमि टीम ने जब ग्रामीण क्षेत्र के पोषण आहार केन्द्रों और कुछेक आंगनवाड़ी केन्द्रों से जानकारी एकत्र की गई तो पता चला कि माहिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजना भ्रष्टाचार के चलते

असफल साबित हो रही है? जबकि शासन द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्रो में अध्यन करने वाले बच्चों के नियम अलग अलग दिन के हिसाब से खाना मिलना चाहिए। मगर अनेक बच्चों के अभिभावकों को पता नही है कि आज उनके बच्चों को अलग से कुछ मिला है कि नही...? क्योंकि बच्चों द्वारा घर जाकर वही बताया जाता है कि जो रोज मिल रहा है वही आज मिला है। अधिकारियों द्वारा पैसा मांगने का आरोप -क्षेत्र की कुछ आंगनवाड़ी केन्द्रों मे काम करने वाली कार्यकर्ताओं ने अपना नाम उजागर न होने की शर्त पर दबे सुर मे अपनी परेशानियां बताई जो गंभीर है? इनके विभागीय अधिकारियों द्वारा पैसों की मांग की जाती है.., मांग पूरी न होने पर इन्हें डराया धमकाया जाता है और तो और इन्हे नौकरी से निकाल देने का भय भी दिखाया जाता है? यदि अधिकारियों का रवैया कुछ इस प्रकार से होगा तो ईमानदारी से कार्य करना की कल्पना करना कहा तक उचित होगा? इसके चलते कुछ स्थानों की स्थिति तो यह बने है कि केन्द्रो में जितने बच्चे उपस्थित नही रहते है,उनका भी भोजन बनाने का रिकार्ड दर्ज कर काफी हद तक गोलमान किया जाने की जानकारियों मिल रही है? इतना ही नही यदि कोई आंगनवाड़ी केन्द्र की कार्यकर्ता व इनको भोजन देने वाले समूह द्वारा इस पर अपत्ति ली जाती है।

# क्षेत्र में धड़ल्ले से चल रहा मादक पदार्थो का व्यापार इसकी की लत से बर्बाद हो रही है युवा पीढ़ी

**कौड़िया।** इन दिनों कौड़िया सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों मे तरह तरह के मादक पदार्थो की बिक्री का कारोबार कही खुलेआम तो कही चोरी छिपे चल रहा है और इस कार्य मे लगातार बृद्धि देखी जा रही है? जहां चोरी छिपे गांजा, अफीम, के कारोबार पर मजबूत लगाम न होने से इसकी गिरफ्त मे उलझकर बर्बाद हो रही है? वही क्षेत्र में गांजे बिकने की पुष्टि तो विगत कुछ वर्षो पूर्व पुलिस द्वारा पकड़े गये वाहर के व्यापारियों से ही हो गई है किक यदि वह थोक में माल लेकर यहां आते थें तो फिर निश्चित रूप से फुटकर माल विक्रेता नगर व क्षेत्र में ही होगे? जिनको पुलिस आज तक नही पकड़ सकी, और नगरवासी यहां की पुलिस से ऐसी उम्मीद कर भी नही सकते है? क्योंकि यदि पुलिस इस प्रकार से अवैध मादक पदार्थों में लिप्त लोगों को पकड़ना चाहती तो पहले ही पकड़ सकती थी? वही छोटे छोटे स्वरूप जिसमे तम्बाकू तथा तम्बाकू से बने उत्पादों जिनका कि सार्वजानिक स्थल में सेवन एवं

इसके विक्रय के कारोबार मे इजाफा हुआ है? कुछेक अरसे से मुनक्का जिसमे कि भांग जैसी हानि कारक पदार्थ मिला रहता है। पान के टपरो मे इसकी विक्री धडल्ले से जारी है। वही दूसरी ओर जानकारो का कहना है कि मुनक्का का बिक्रय पान तथा किराना आदि की दुकानों मे अवैधानिक है। परन्तु इसके बिक्रय पर कोई रोक न लगने तथा कार्यवाहियां न होने से इसका सेवन करने वाले लोगो की संख्या भी लगातार बढ़ती जा रही है। बताया गया है कि कुछ एक बड़े बिक्रेता पान के ठेलों तथा बड़े दुकानदारों को आधिकाधिक कमीशन देकर इसकी खपत के लिए प्रोत्साहित करते है और इसका चोरी छिपे कारोबार करने वाले लोग युवको के माध्यम से पान तथा किराना दुकानों मे इसको पहुंचाने से नही चूक रहे है? इसके आलवा अन्य और समान सार्वजनिक स्थलो पर बिकना प्रति बंधित होने के बाद भी बिकते हुए देखा जाता है, जो शासन के आदेश है उसकी भी धज्जियां उड़ाई जा रही है। नियमानुसार शैक्षणिक संस्थाएं है जिनसे सटी हुई दुकानो मे इसकी बिक्री न हो,इसका प्रभाव यह पड़ रहा है कि शैक्षणिक संस्थाओं मे अध्ययनरत विद्यार्थी तबका आसानी से इसे अपनी संस्थाओं के पास ही सुलभता के साथ प्राप्त कर लेता है और संस्थाओं मे स्थिति यह देखी जा रही है कि अधिकाधिक संख्या मे विद्यार्थीगण गुटखें का सेवन कर रहे है। शैक्षणिक संस्थाओं की स्थिति यह है कि प्रतिदिन इतने अधिक खाली पाउच निकलते है जिससे होने वाली खपत का अंदाजा लगाया जा सकता है। स्थितियां तों यहां तक हो गयी है कि सिगरेट तथा गुटखे के सेवन मे विद्यार्थियों को इनका इस्तेमाल करते भी देखा जा सकता है, शासकीय कार्यालयों मे भी धूम्रपान से संबंधित शासन का आदेश निष्प्रभावी है होती है। युवा वर्ग के लोगों मे बीमारियां-ज्ञात हो कि वर्तमान समय मे युवा वर्ग के नव युवकों में जिस प्रकार से गांजे की लत लग रही है। उसी का परिणाम है कि उन्हें उससे गंभीर बीमारियां हो रही है? इसके आलवा गुटाख व अन्य मादक पदार्थों के सेवन कर रहे है जिससे मुंह रोग से पीड़ति व्यक्ति अधिक सामने आ रहे है। एक ऐसे ही युवक का कहना है कि गुटका का सेवन करते लगभग दो वर्ष बीत गये जिससे उक्त युवक का मुंह पूरी तरह से नही खुलता है। जबकि जानकारी मे युवक ने बताया कि गुटखा खाने के पूर्व समय पर उसका मुंह पूरा खुल जाता था। किशोर भी नही है अछूतें-क्षेत्र मे देखने मे आया कि धूम्रपान से किशोर युवक भी अछूते नही है। कम उम्र के किशोर जिनकी कि उम्र लगभग 12 वर्ष से कम आंकी जा रही है वे भी गुटकों की चमचमाती लट से धड़ुले से गुटका फाड कर खाते देखे जा रहे हैं।

## खबर संक्षेप

### गलीराम के राज में गली गली बिक रही शराब और गांजा

**अनूपपुर।** कहते हैं पैसे में बहुत ताकत होती है लोग पहले तो यह नहीं मानते थे कि वाकई में ऐसा होता है लेकिन अमरकंटक पवित्र नगरी में इसका जीता जागता उदाहरण देखने को मिलता है। पवित्र नगरी अमरकंटक में शराब गाँजा बिक्री में मुख्यमंत्री द्वारा रोक लगाई गई है लेकिन यहां के सफेद पोश और वर्दीधारी जो अपने को पवित्र नगरी के रखवाले बताते हैं उन्हीं के द्वारा पवित्र नगरी अमरकंटक में खुलेआम शराब गांजा बिकवाया जा रहा है।

**यहां यहां बिक रही शराब**

जमुना दादर में लल्लू एवं रोहित के द्वारा शराब बेची जा रही है दूसरा नाका बाराती रोड में बांधा में जायसवाल द्वारा बाराती में चौधरी के द्वारा खुलेआम बेचा जा रहा है। ऐसा नहीं है कि इसकी जानकारी पुलिस प्रशासन को ना हो लेकिन पैसे के आगे सब नतमस्तक है इसीलिए तो कहते हैं जब सैया हुए कोतवाल तो डर काहे का। पत्रकार पर जानलेवा हमला होने के बाबजूद एफ आई आर दर्ज करने मे थाना प्रभारी कतरा रहे है।

अमरकंटक तीर्थ स्थान दर्शन के लिए गए 5 मित्र जिसमे से 1 पत्रकार भी शामिल था नर्मदा मन्दिर दर्शन के बाद घूमते हुए जमुना दादर पहुंचे जहाँ 15 से 20 लोग लल्लू नामक व्यक्ति जो शराब बेचता है उसके यहां जमावड़ा लगाए हुए शराब ले रहे थे तभी पत्रकार बंधु द्वारा जानकारी लेना चाहा तभी लोगो के द्वारा मारपीट एवं गाली गलौज दी गई तब सभी लोग जैसे तैसे अपनी जान बचा कर थाना पहुंचे जहाँ थाना प्रभारी से लड़ाई के सम्बन्ध मे रिपोर्ट दर्ज करने की बात की गई थाना प्रभारी द्वारा आवेदन देने की बात कर आवेदन लिया गया और एफ आई दर्ज नहीं की गई। पूछने पर जाँच का हवाला देकर दूसरे दिन एफ आई दर्ज करने की बात कर खाना पूर्ति की गई समाचार लिखने तक एफ आई दर्ज नहीं की गईं। सूत्रों के माध्यम से पता चला अधिकारियो को गुमराह करने के लिए थाना प्रभारी द्वारा पत्रकार सहित सभी मित्रो को शराबी बता कर की ये सभी शराब पिए हुए थे और इनके द्वारा लड़ाई झगड़ा किया गया।

### युवक के शव मिलने से सनसनी

**अनूपपुर।** जिले के बिजुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत संदिग्ध परिस्थितियों में अज्ञात युवक का शव मिला, जिसके शरीर में चोट के निशान हैं, युवक की पहचान नहीं हो पाई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बिजुरी थाना क्षेत्र अंतर्गत कोरजा हनुमान मंदिर रोड पर हेलीपैड के पीछे मंगलवार-बुधवार की रात संदिग्ध परिस्थितियों में अज्ञात युवक का शव मिला। उसके शरीर पर गंभीर चोट के निशान हैं। मामले कर सूचना थाना प्रभारी ने उच्च अधिकारियों को दी। इसके बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक शहडोल डीसी सागर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर जितेंद्र सिंह पवार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार सिंह सूचना मिलने पर घटनास्थल पहुंचे। जिसके बाद मौका पंचनामा कर शव का पोस्टमार्डम के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिजुरी भेजा गया।

### अधेड़ महिला की जहर खाने से मौत

**अनूपपुर।** कोतवाली थाना अनूपपुर एवं जिला चिकित्सालय अनूपपुर में एक्सीडेंट एवं जहर खाने से एक युवक एवं एक अधेड महिला की मौत हो गई है घटना की सूचना पर पुलिस के द्वारा जांच की जा रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार अमरकंटक थाना अंतर्गत ग्राम खजूरवार निवासी 45 वर्षीय महिला शांतिबाई पति रामगोपाल चौधरी के अज्ञात कारणो से जहरीला पदार्थ खा लेने पर परिजनों द्वारा उपचार हेतु जिला चिकित्सालय अनूपपुर में भर्ती कराया गया रहा जिसकी उपचार दौरान सोमवार की सुबह मौत हो गई। ड्यूटी डॉक्टर की सूचना पर अस्पताल पुलिस द्वारा परिजनों के उपस्थिति में पंचनामा, पीएमकी कार्यवाही करते हुए मृतिका के शव के अंतिम संस्कार हेतु परिजनों को सौंप कर प्रारंभिक जांच करने के बाद घटना की डायरी अमरकंटक थाना को प्रेषित की है।

# पूजन के बाद किया होलिका दहन, आज उड़ा रंग गुलाल

जिले सहित शहपुरा क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में होली पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने विधि-विधान से पूजा अर्चना कर होलिका दहन किया।

हरिभूमि न्यूज शहपुरा।

भद्रा का साया होने के कारण होलिका दहन को लेकर लोगों में असमंजस रहा। कई स्थानों पर भद्रा के पाताल में होने की अवधि में होलिका दहन किया गया तो कई स्थानों पर भद्रा का प्रभाव खत्म होने के बाद देर रात को होलिका दहन किया गया। इससे पूर्व महिलाओं ने होलिका पूजन कर सुख-शांति व समृद्धि की कामना की। सोमवार को दुल्हेंडी पर हर वर्ग के लोग रंग-गुलाल उड़ाते हुए जमकर धमाल मचाएं। होलिका पर्व को लेकर घरों में सुबह से ही विशेष तैयारियां शुरू हो गई थी। बच्चों में भी होली पूजन को लेकर विशेष उमंग नजर आया।

### होली मिलन समारोह मे वृद्धाश्रम पहुंचे कलेक्टर

**हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।** कलेक्टर विकास मिश्रा ने मां नर्मदा वृद्धाश्रम में होली मिलन समारोह में वृद्ध जनों से मुलाकात की। उन्होंने सभी का तिलक वंदन किया, होली त्यौहार की शुभकामनाएं दी। साथ ही वृद्धजनों को भोजन कराया। कलेक्टर ने मिलन समारोह के दौरान समस्त जिलेवासियों को होली त्यौहार की बधाई और शुभकामनाएं दी। इस विशेष अवसर पर अन्य जिला स्तरीय अधिकारी भी मौजूद थे।

# उपार्जन केंद्रों की स्थापना

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग म.प्र. भोपाल द्वारा रबी सीजन 2023-24 (विपणन वर्ष 2024-25) में समर्थन मूल्य पर चना, मसूर एवं सरसों की उपार्जन नीति जारी की गई है। नीति के अनुसार 26 मार्च 2024 से 31 मई 2024 तक चना, मसूर, सरसो का उपार्जन कार्य किया जायगा।

जिले में अभी तक चना के 866, मसूर के 2530 तथा सरसो के 536 किसान पंजीयन हुए हैं। जिलें में विगत वर्ष 03 खरीदी केन्द्र स्थापित थे। जिनमें डिण्डौरी समिति, शहपुरा समिति तथा विपणन गोरखपुर में चना, मसूर की खरीदी हुई थी।

इस वर्ष डिण्डौरी समिति में कर्मचारी के अभाव को ध्यान में रखतें हुये तथा चांदपुर समिति को डिण्डौरी तहसील क्षेत्र में उपार्जन हेतु जिलास्तरीय समिति से प्राप्त अनुमोदन उपरांत केन्द्र बनाने का निर्णय लिया गया है। अतः जिला स्तरीय समिति के अनुमोदन के बाद जिले में चना मसूर तथा सरसो के उपार्जन हेतु 3 केन्द्रों का गठन किया गया है। डिंडोरी में थाना गोदाम केंद्र, लैंप्स चांदपुर संस्था के तहत,शाहपुरा में बहुद्देशीय कृषि केंद्र, लैंप्स शहपुरा संस्था के तहत और बजाग में कृषि उपज मंडी गोरखपुर केंद्र स्थापित किये गए है। उक्त संबंध में उपार्जन के पूर्व निर्देशित व्यवस्थाएँ, मैपिंग तथा अन्य कार्यवाही समयावधि में सुनिश्चित करने की आदेश जारी किये हैं।

### गेहूँ उपार्जन के लिए सिंगल पॉइंट ऑफ कॉन्टैक्ट

म.प्र. खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी गेंहू उपार्जन नीति के तहत जिलास्तरीय समिति, उपार्जन संबंधी समस्त विवादों का अंतिम निराकरण तथा उपार्जित स्कंध की गुणवत्ता की निगरानी करेगी। जारी नीति में दिये गये निर्देश के परिपालन में अद्योहस्ताक्षरकर्ता द्वारा जिले में उपार्जन संबंधी सभी विषयो के लिए जिले के वरिष्ठ अधिकारी सरोधन सिंह अपर कलेक्टर डिण्डौरी मोबाइल नंबर 9425002541 को सिंगल प्वांईट ऑफ कॉन्टेक्ट के रूप में नामाकिंत किया गया है। सरोधन सिंह राज्य स्तर पर वरिष्ठ अधिकारियों के सीधे संपर्क में रहेगें एवं निर्देशित कार्यवाही जिला तथा अनुविभाग स्तरीय उपार्जन समिति व अधिकृत अमले से सुनिश्चित कराएगें।

### गेहूं उपार्जन में आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु जिला स्तरीय तकनीकी सेल गठित

कलेक्टर के निर्देशन में गेहूं उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान के लिये जिलास्तरीय तकनीकी सेल का गठन किया गया है। जिसमें डीआईओ एनआईसी अभिनय साहू, जिला प्रबंधक ई-गवर्नेंस सोसाइटी दीपक साहू, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी आकाश तुरकर, कम्प्यूटर ऑपरेटर खाद्य जिला मुख्यालय अजय कुमार दुबे, कंप्यूटर ऑपरेटर नागरिक आपूर्ति निगम हेमराज पिपरहा, कंप्यूटर ऑपरेटर वेयरहाउसिंग सुश्री रागिनी साहू, कंप्यूटर ऑपरेटर मार्कफेड विषम छांटा गेंहू उपार्जन में आने वाली तकनीकी समस्याओं के समाधान आपसी समन्वय स्थापित कर करेंगे। जिलास्तरीय कन्ट्रोल रूम का नंबर 6264704077 है। जिसमें पावंद खाद्य विभाग के कम्प्यूटर ऑपरेटर उदयचंद मरावी द्वारा प्राप्त कॉल्स में समस्याओं के संबंध में पंजी संधारित की जायेंगी। जिसमें समस्या एवं निराकरण तथा निराकरण की तिथि प्रविष्टि विधिवत रूप से की जाएगी। पंजी का अवलोकन प्रति दिवस की शाम को जिला आपूर्ति अधिकारी द्वारा किया जाएगा।

# जिले भर में होली की रही धूम, सुरक्षा के लिए पुलिस ने भी दिखाई मुस्तैदी

### राज्य मंत्री ने भी जमकर खेली होली, जमकर उड़े गुलाल

**अनूपपुर/कोतमा।** उमंग, उल्लास का प्रतीक रंगों का त्योहार रंगोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। जिला मुख्यालय सहित कोतमा, बिजुरी, राजनगर, रामनगर, भालूमाड़ा, जमुना, जैतहरी, वेंकटनगर, राजेंद्रग्राम, अमरकंटक सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्र रंगों से सराबोर रहा। चारों ओर अबीर-गुलाल उड़ा। डीजे की धुन और ढोल की थाप पर बच्चे व युवा झूमते रहे और एक-दूसरे पर रंग उड़ेलते रहे। लोगों ने गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।

### महिलाओं ने भी जमकर खेली होली

धुरेड़ी पर सोमवार मंगलवार को दिन निकलते ही बच्चों व युवा रंगों से भरी पिचकारियों, गुलाल व गुब्बारे आदि लेकर एक दूसरे को रंगने में जुट गए। जैसे-जैसे दिन चढ़ना शुरू हुआ, वैसे ही होली का खुमार सर चढ़कर बोलने लगा। फिल्मी गीतों की धुन व ढोल की थाप गूंजने लगे। बच्चों से लेकर बड़ों ने रंगों से सराबोर होकर नृत्य किया। छोटे-छोटे बच्चे रंगों में रंगे नजर आए। वहीं, अन्य लोग भी घरों से निकलकर सड़क पर खेलते दिखाई दिए। महिलाओं ने भी जमकर होली खेली। गली-मोहल्लों में डीजे पर गानों की धुनों व ढोल की थापों पर जमकर नृत्य किया। दोपहर तक युवाओं की टोली गली-मोहल्लों में घूमकर रंग-गुलाल उड़ाती रही।

### सुरक्षा के मद्देनजर फोर्स तैनात रही

पुलिस ने गली-मोहल्लों में गश्त किया। नगर व ग्रामीण क्षेत्र में रंगों का त्योहार हर्षोल्लास से शांतिपूर्वक मनाया गया। रंग व गुलाल से होली खेली गयी। नगर में भजिया व ठंडाई का वितरण हुआ। नगर के बस स्टैंड गांधी चौक आजाद चौक में डीजे की धुन पर नाचते युवाओं ने खूब अबीर गुलाल उड़ाया। और एक दूसरे के कपड़े को फाड़कर जमकर रंग बरसाए और डीजे की धुन पर नाचते दिखे। नगर पालिका अध्यक्ष के द्वारा नगर के गांधी चौक आजाद चौक बस स्टैंड में फायर ब्रिगेड की व्यवस्था करते हुए पानी की बौछार दो दिनों तक करवाते रहे। महिलाएं बच्चे एवं बड़े जमकर होली का लुफ्त उठाया।

ग्रामीण क्षेत्र में धुरेड़ी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। भगवान शंकर के वेष में भोले बाबा ने जमकर डांस किया। क्षेत्र में एक दूसरे ने अबीर गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। दोपहर बाद नगर व आसपास के हजारों स्त्री-पुरुष आजाद चौक पर एकत्र हुए और जमकर महिलाएं बच्चे होली का आनंद उठाते नजर आए। कोतमा नगर में होली का पर्व श्रद्धापूर्वक मनाया गया। लोगों ने एक दूसरे को गुलाल व रंग लगाकर होली की शुभकामनाएं दी। लोग सुबह से ही टोली बनाकर एक दूसरे को बधाईयां देते रहे। ग्रामीण क्षेत्रों मे चुनावी माहौल के बीच होली का पर्व धूमधाम और शांतिपूर्ण तरीके से मनाया गया। गांवों में युवा सड़क से गुजर रहे लोगों पर रंग लगाते नजर आए। कोतमा नगर में होली पर सुबह से बच्चों ने पिचकारी में रंग भरकर एक-दूसरे को भिगोया। बच्चों के अलावा बडों ने भी एक-दूसरे को गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दी। युवकों ने डीजे पर जमकर डांस किया। जगह-जगह होली मिलन कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस भी अलर्ट रही। क्षेश्र मे होली पर्व शान्तिपूर्वक मनाया गया।

### राज्य मंत्री ने भी जमकर खेली होली

मध्य प्रदेश शासन के राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने अपने निवास पर जमकर होली खेली। लोगों ने उनके निवास पर पहुंचकर राज्य मंत्री को अबीर गुलाल लगाया और जमकर रंग उड़ाए। राज्य मंत्री ने सभी को होली पर्व की शुभकामनाएं देते हुए शांतिपूर्ण ढंग से होली मनाई जाने की अपील की।

### जगह-जगह हुआ फाग

होली का त्यौहार हो और भाग की बात ना हो ऐसे में होली का पर्व अधूरा सा लगता है। होली पर्व को लेकर रविवार से ही नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह भाग की टीम ने फगुआ गाकर होली पर्व को और खुशनुमा बना दिया यह सिलसिला सुबह से लेकर देर रात तक चलता रहा।

# नामांकन के पहले एक दिन में कांग्रेस को लगे दो झटके

### कोतमा नपा अध्यक्ष, उपाध्यक्ष सहित 62 लोगों ने ली भाजपा की सदस्यता

**अनूपपुर।** कांग्रेस को भाजपा ने एक दिन में दोहरा झटका दिया हैं। सुबह बिजुरी में दो पार्षद एवं जिला महामंत्री हुए भाजपा के साथ हुए तो दूसरी ओर कोतमा के पूर्व विधायक सुनील सराफ के करीबी जिला मुख्यालय अनूपपुर में जब कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी कांग्रेस उम्मीदवार का नामांकन पत्र जमा करा रहे थे तभी भाजपा खेमे में कोतमा नगर पालिका अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित 62 कांग्रेसियों ने उपमुख्मंत्री राजेन्द्र शुक्ला के हाथों भाजपा की सदस्यता लेकर भाजपा परिवार में शामिल हो गये। जिसमें नपा अध्यक्ष उपाध्यक्ष के साथ 15 महिलायें भी शामिल हैं। भाजपा मे शामिल होने वालों मे अजय सराफ अध्यक्ष नगर पालिका कोतमा, वैशाली बद्री ताम्रकार उपाध्यक्ष नगर पालिका कोतमा, बद्री ताम्रकार जिला महामंत्री कांग्रेस, साहिद अली, जीके पाण्डेय, पूर्व ब्लाक कांग्रेस आई.टी. सेल एवं मीडिया प्रभारी, चुनाव प्रबंध विशेषज्ञ, मुसर्रफ अली, पूर्व ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष, चुनाव प्रबंध विशेषज्ञ एवं रणनीतिकार, बृजमोहन ताम्रकार, मनीष अग्रवाल, रवि गर्ग, मो. आरफीन, आषीश अग्रवाल, अनिरुद्ध ताम्रकार, दीपक ताम्रकार, अजय ताम्रकार पप्पू, विश्वास सोनी, विवक सिंह, राजेश सिंह चंदेल, कमलेश जीवनानी, ओम प्रकाश सोनी, अमरीश सोनी, आशीष सोनी, अभिषेक सोनी, शम्भू केवट, अर्पित सिंह चंदेल, शिद्ध सोनी, जय कुशवाहा, अंकित सराफ, स्वार्पनल सोनी, मिथुल शर्मा, देवराज ताम्रकार, आशुतोष तिवारी, ओम नारायण ताम्रकार, राजकुमार सोनी, जयवीर सिंह, जिला अध्यक्ष कांग्रेस अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, अभिषेक जैन बेन्टेक्स, रवीन्द्र जैन कइया, मेघा सराफ, अनुराधा ताम्रकार, गोल्डी ताम्रकार, सुरैया साहेब, रीता गुप्ता, वी साई गीता, नेहा अग्रवाल, वर्षा चावला, रूबी अग्रवाल, मनीषा गर्ग, नेहा आजमी, सुष्मिता अग्रवाल, पूनम सोनी, मनीष सोनी, रवि कुशवाहा, प्रदीप, दीपेश, अनुज, छोटू शिवहरे, किरण गोयनका, ज्योति ताम्रकार, आनंद जैन, नीलेश सोनी, मिथलेश जैन एवं गंगा केवट शामिल हैं।

## धूमधाम से मनाया गया अटूट प्रेम का प्रतीक भाई दूज का त्यौहार

अनूपपुर/कोतमा। बुधवार को भैया दूज का त्यौहार धूमधाम से मनाया गया। भाइयों के माथों पर तिलक कर बहनों ने दीघार्यु की कामनाएं की। बहनों को आकर्षक उपहार दिए गए। सुबह से ही बाजारों में भीड़ उमड़ गई थी। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में त्योहार परंपरा के साथ मनाया गया।

### अटूट प्रेम का त्यौहार

भैया दूज का पर्व प्रेम का प्रतीक है और अटूट प्रेम को दशार्ता है। इस दिन खुशियों से बहन-भाईयों की झोली भर जाती है। दीघार्यु की कामना होती है और सुरक्षा का संकल्प दिया जाता है। बुधवार को भैया दूज पर्व को लेकर बहन-भाईयों में उत्साह था। विवाहित बहनें अपने मायके पहुंचकर परंपराओं का निर्वहन किया। वहीं भाई भी बहन की ससुराल पहुंचकर कोथली देकर अपनी रीति रिवाज को निभाया। दीघार्यु के लिए माथों पर तिलक कर और मिठाई खिलाकर कामनाएं की।

### रक्षा करने का संकल्प

कभी किसी तरह की बाधा न आए इसके लिए ईश्वर से कामनाएं की। वहीं भाईयों ने आकर्षक और मनमोहक उपहार देकर उनकी हमेशा रक्षा करने का संकल्प दिया। त्योहार को लेकर बाजारों में भारी भीड़ रही। गिफ्ट सेंटरों से आकर्षक उपहार खरीदे गए। कपड़े खरीदने को लेकर भी उत्साह रहा। मिठाई की दुकान पर भारी भीड रही। सुबह से ही बाजारों में लोगों की भीड़ बढ़ना शुरू हो गई थी। छोटे बच्चों में भैया दूज के पर्व को लेकर उत्साह रहा है। ताली सजाकर उसमें सूखा गोला, सिंदूर और मिठाईयां रखी। उसके बाद पंरपराओं के अनुसार टीका किया और मिठाई से मुंह मीठा कराया। उसके बाद धनराशि या उपहार दिए गए। खेल-खिलौने लेकर छोटी बहनों में खूब मस्ती की।

### बसों की रही किल्लत, झेलनी पड़ी परेशानी

भैया दूज के पर्व के मौके पर बसों की किल्लत रही है। बस स्टैंड पर घंटों तक इंतजार करना पड़ा। यहां तक कि बसों में सवारियों को खचाखच भरकर ले जाया जा रहा था, जिस कारण असुविधा का सामना करना पड़ा। यह हाल जिले के सभी मार्गो पर था। वहीं डग्गामार वाहन चालकों ने जमकर चांदी काटी। कुछ स्थानों पर निर्धारित रेट से अधिक की वसूली की गई। प्राइवेट वाहन और बाइकों की सभी मार्गो पर आवाजाही रही है।

# गुणवत्ताहीन सोख्ता गड्ढे बनवाकर डकार गए बजट

**शहडोल।** क्षेत्रीय विकास के नाम पर ग्रामपंचायतों को भरपूर बजट एलाट कर दिए जाने और उसके आहरण का अधिकार सरपंच सचिव को दे दिए जाने से राशि का जमकर दुरुपयोग हो रहा है। जबकि क्षेत्रीय विकास कहीं दिखाई नहीं पड़ता। हर साल ग्रामपंचायतों के द्वारा पंच परमेश्वर व 15 वें वित्त मद से लाखों रुपए का आहरण किया जाता है लेकिन विकास कहीं दिखाई नहीं पड़ता है। समीपी ग्राम सिंदुरी(चुनिया)में भी यही हाल देखने को मिल रहा है। ग्रामपंचायत के द्वारा बीते वर्ष सोख्तापिट बनवाने का काम शुरू कराया गया था। लेकिन आज तक काम पूरा नहीं हुआ और अब तो नई पंचायत के आ जाने से काम बंद ही कर दिया गया है। एक तो लक्ष्य पूरा नहीं हुआ और जो बने वह भी घटिया और अधूरे बने पड़े हैं। ज्ञातव्य है कि प्रति गड्ढा 15 हजार के मान से व्यय कर लगभग 3 लाख रुपए फूंक दिए गए।

### जल सरंक्षण करना था उद्देश्य

शासन ने ग्रामीण अंचलों में जन स्वास्थ्य को दृष्टिगत रखते हुए सफाई को जरूरी माना था और स्वच्छता मिशन के तहत हैण्डपंपों के आसपास सोख्तापिट बनवाने के लिए निर्देशित किया था। शासन का एक उद्देश्य यह भी था कि हैण्डपंपो से निकाला अतिरिक्त पानी इधर उधर बहने की बजाय सीधे गड्ढों के माध्यम से जमीन के अंदर जाएगा और भूमि के जल स्तर को संतुलित रखेगा। इससे पानी की समस्या भी समाप्त होगी।

### गड्ढे पूरे बने नहीं, रकम आहरित

ग्रामीणों ने बताया कि शासन के निर्देश के बाद ग्रामपंचायत सिंदुरी ने स्थल चयन कर काम शुरू कराया था। लगभग 15 हजार प्रति सोख्ता की लागत से 20 की संख्या में सोख्ता गड्ढे बनवाए गए। लेकिन इनका निर्माण तकनीकी मानको के अनुरूप नहीं किया गया। दूसरी बात यह है कि इनमें नीचे पेंदी में बड़े पत्थर और बालू डाली जानी चाहिए थी ताकि पानी सीधे नीचे जमीन में जाए। लेकिन किसी गड्ढे में यह कार्य नहीं कराया गया है। साथ ही प्लास्टर आदि की व्यवस्था भी ढंग से नहीं हुई है। सोख्ता का निर्माण न तो गुणवत्तापूर्ण हुआ और न उनका कार्य पूर्ण कराया गया। इसलिए वे आज भी बिना देखरेख उपेक्षित से पड़े हैं हालत यह है कि अब वे धीरे धीरे जर्जर से होने लगे हैं। अगर यही स्थिति रही तो वे कुछ ही समय में गिर जाएंगे और शासन के लाखों रुपए बेकार चले जाएंगे। चुनाव करीब आने पर तत्कालीन सरपंच और सचिव ने रकम निकालने के लिए आनन-फानन काम शुरू करा दिया था। लेकिन यह कार्य पूर्ण नहीं हो पाया और बीच में ही बंद कर दिया गया।

### वर्तमान पंचायत भी उदासीन

ग्रामीण सोचते थे कि नई पंचायत के गठन के बाद सोख्ता का अधूरा काम पूरा होगा लेकिन पंचायत पदाधिकारियों की मंशा सोख्ता की ओर नहीं है। वे नई योजनाओं की फिराक मे लगे हैं।

हरिभूमि

# नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, गुरुवार 28 मार्च 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

## खबर संक्षेप

### शुभम राय ने कक्षा नवमीं में सफलता हासिल की

**नरसिंहपुर।** गत दिवस केन्द्रीय विद्यालय के छात्र शुभम राय ने कक्षा नवमी में अच्छे अंको से सफलता अर्जित की है। उनकी इस सफलता पर माता-पिता सहित परिवार के सदस्यों ने उन्हें शुभकामनाएं एवं बधाईयां दी हैं। छात्र शुभम प्रेस फोटोग्राफर संजय राय के सुपुत्र हैं। शुभम की इस सफलता पर मिलन समिति के सदस्यों एवं शाला परिवार ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर बधाईयां प्रेषित की हैं।

### भर्ती रैली का आयोजन आज

**नरसिंहपुर ।** भारतीय वायु सेना समूह वाई (गैर तकनीकी) मेडिकल असिस्टेंट ट्रेंड में प्रवेश के लिए भर्ती रैली का आयोजन 28 मार्च को लाल परेड ग्राउंड भोपाल में किया जायेगा। भर्ती रैली में शामिल होने के लिए आवेदक सुबह 6 बजे से 10 बजे तक रिपोर्ट कर सकते है। उम्र एवं योग्यता से संबंधित जानकारी वेब पोर्टल पर प्राप्त की जा सकती है।

### नहरों से सिंचाई हेतु जल लेने के लिये आवेदन 15 तक

**नरसिंहपुर ।** वर्ष 2024 की ग्रीष्मकालीन फसलों की बरगी नहरों से सिंचाई के लिए जल लेने गोटेगांव तहसील के संबंधित ग्रामों के किसानों से 15 अप्रैल 2024 तक मांग पत्र एवं अनुबंध प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है, ताकि नहरों से ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए निर्धारित तिथि से जल प्रवाह किया जा सके। इन ग्रामों में मुख्य नहर की आरडी 63.420 से 81.300 किमी तक वितरण प्रणालियों में क्रमशः हरेरी शाखा नहर, करेली वितरण नहर, देवरी वितरण नह, बगासपुर माइनर, रामनिवारी माइनर, तिघरा माइनर एवं कमांड की माइनरों/ सब माइनरों से लगभग 126 ग्रामों की 2500 हेक्टर भूमि में निर्मित नहर प्रणाली से ग्रीष्मकालीन फसलों की सिंचाई करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जानकारी कार्यपालन यंत्री रानी अवंती बाई लोधी सागर डिस्नेट संभाग क्रमांक 2 गोटेगांव एसएस बेनल ने दी है। इस सिलसिले में कार्यपालन यंत्री ने जिले की गोटेगांव/ नरसिंहपुर तहसील के संबंधित ग्रामों के किसानों से आग्रह किया है कि वे ग्रीष्म फसलों की सिंचाई हेतु जल लेने मांग पत्र अनुबंध सक्षम प्राधिकारी बगासपुर जल उपभोक्ता संथा देवनगर, दबकिया, मनकवारा, खमरिया, कुसीवाड़ा, कमादे, भैंसा, आंखीवाड़ा, देवरी, तिंदनी एवं मुराछ आदि के माध्यम से अनुविभागीय अधिकारी रानी अवंती बाई लोधी सागर नहर उप संभाग बगासपुर एवं गोटेगांव को 15 अप्रैल 2024 के पूर्व तक मांग पत्र एवं अनुबंध पत्र प्रस्तुत करें।

### कचरा घर में मिला 6 माह के नवजात का शव

**नरसिंहपुर।** विगत दिवस नगर के शांति चौक के निकट श्याम टॉकीज के पास बने कचरा घर में 6 माह के नवजात के शव को कोई व्यक्ति कचरा घर में फेंक गया था। यह खबर आग की तरह फैली तो भीड़ जुटने लगी। बात सफाई कर्मी तक पहुंची। वार्ड के सफाई कर्मियों ने बताया कि सुबह जब उन्होंने उस स्थान से कचरा उठाया था, तब वहां शव नहीं था। सुबह साढ़े आठ के बाद नवजात मृत शिशु के शव को कोई वहां फेंक गया। मामले में एसडीओपी मोनिका तिवारी ने बताया कि मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। जैसे तथ्य सामने आएंगे उस पर कार्रवाई की जाएगी।

### चेतना रैली का आयोजन आज

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** लोकसभा निर्वाचन- 2024 के मद्देनजर जिले में मतदाता जागरूकता अभियान- स्वीप के अंतर्गत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले और जिला नोडल अधिकारी स्वीप व सीईओ जिला पंचायत दिलीप कुमार के मार्गदर्शन में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के तहत 28 मार्च 2024 को शाम 5.30 बजे चेतना रैली निकाली जाएगी।

# परंपरागत ढंग से मनाई होली, जमकर उड़े रंग गुलाल

**बहनों ने भाई को लगाया टीका, मांगी मुराद होली पर सजग रहा प्रशासन...**

**नरसिंहपुर ।** होली का त्यौहार सत्य व बुराई पर अच्छाई का प्रतीक होली का त्यौहार लोगों द्वारा परंपरागत ढंग से मनाया गया । लोगो द्वारा एक दूसरे को रंग लगाकर मिठाई खिलाकर होली की शुभकामनायें दी। रविवार की रात्रि को जगह - जगह होलिका दहन किया गया एवं सोमवार को युवाओं की टोली सुबह से रंग गुलाल लेकर निकल पड़ी और जमकर होली खेली गई । वही अनरव वाले घरों मे लोगो द्वारा जाकर रंग गुलाल कर फागे भी आयोजित कराई गई । होली के त्यौहार को लेकर कलेक्टर द्वारा प्रशासनिक अधिकारियो को सभी व्यवस्थायें दुरूस्त रखने के निर्देश दिये गये थे ।

### उमंग व उत्साह के साथ मनाया त्यौहार

रंगो का त्यौहार होली बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया लोगो द्वारा होली पर जमकर लुप्त लिया । लोग एक दूसरे को रंग लगाकर मिठाई खिलाते नजर आये वही प्रशासन के अधिकारियों द्वारा भी होली का जमकर आनंद लिया गया । होलिका दहन के साथ ही होली पर फागों का राग भी प्रारंभ हो जाती है । होली भाईचारे , रंग, गुलाल और मौज मस्ती का त्यौहार है। परंपरागत रूप से मनाए जाने वाले इस त्यौहार को कई राज्यों में इसे अलग-अलग ढंग से मनाया जाता है, किंतु नरसिंहपुर जिले में होली मनाने की कुछ फिजा ही निराली है। शहरी तथा ग्रामीण अंचलों में जगह-जगह होलिका दहन के पश्चात अगले दिन धुरेड़ी पर हर वर्ग के लोगों ने उमंग व उत्साह से होली का पर्व मनाया।

### बच्चों मे दिखा काफी उत्साह

धुरेड़ी के दिन प्रातः होते ही नन्हें-मुन्ने बच्चे पिचकारी लेकर सड़कों पर घूमते नजर आने लगे वे पिचकारी के साथ मुखौटा लगाए तथा हाथ में रंग गुलाल लिए धमाचौकड़ी मचाते रहे। दोपहर होते-होते सड़कों पर हुरियारे नजर आने लगे। रंगों से सराबोर होने के कारण अनेक लोगों को तो पहचानना तक मुश्किल हो रहा था। लोग एक दूसरे को रंग लगाकर मिठाई खिलाते नजर आये । सड़को में भी रंग व गुलाल नजर आ रहा था । धुरेड़ी के दिन सुबह से ही गली मोहल्लों मे चहल पहल नजर आने लगी थी बच्चे सुबह से ही रंग गुलाल लेकर निकल पड़े और जैसे जैसे सूर्य आसमान में चढ़ रहा था वैसे वैसे ही होली की हुड़दंग सम्पूर्ण रंग के साथ सड़को पर उतर आई लोगो ने जमकर होली खेली लोग एक दूसरे को रंग लगाकर मिठाई खिलाकर गले मिलकर बधाई देते नजर आये । लोगो की टोलियां बाजे गाजे के साथ निकली और जमकर रंग गुलाल की होली खेली गई । होली पर्व को लेकर प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद दिखाई दिया, इसमें पुलिस विभाग की सर्वाधिक अहम भूमिका रही। सामाजिक व धार्मिक सौहार्द को बरकरार रखने की कवायद में होली दहन की रात्रि से ही पुलिसिया गश्त शुरू हो गयी थी, जो होली के दिन भी लगातार जारी रही। जिससे शहर में कहीं भी अराजक स्थिति निर्मित नही हो पाई।

### बहन ने भाई को तिलक लगाकर मांगी दुआ

बुधवार को भाई दूज पर्व पर बहनो ने अपने भाई को तिलक मिठाई खिलाई एंव भाई की लबी उम्र व सुख समृद्धी की कामना की माना जाता है कि होली के दूसरे दिन पड़ने वाली दूज पर बहन अपने भाई को तिलक लगाकर उसकी सुखी व खुशहाल जीवन की कामना करती है तो वह पूरी होती है । इसी क्रम पर बहनो ने अपने भाई के लिये तिलक लगाकर दुआयें मांगी । माना जाता है कि भाई दूज के दिन भाई को तिलक लगाकर जो भी कामना की जाती है वह पूरी होती है उसके लिये प्रातः काल मे गौ माता के गोबर से दूज बनाई जाती है उसके उपरांत उनकी पूजा की जाती है जिसमे पकवानों व मिष्ठानों का भोग लगाया जाता है ।

### गुलाल लगाकर आपसी भेदभाव मिटाने का संकल्प लिया

विगत 25 वर्षों से रामायण जी का पाठ करने वाले मां दुर्गा महिला मंडल द्वारा धनारे कॉलोनी स्थित शिव साईं राम जानकी मंदिर में आत्मीयता से भरा रंगों का त्यौहार आध्यात्मिक रूप से फूहड़ता रहित होली मिलन समारोह आयोजित किया। महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती ज्योति तिवारी की अध्यक्षता में महिला मंडल की बहनों श्रीमती गीता नेमा, भगवती राय, श्रीमती सुषमा मिश्रा, श्रीमती तुलसा पटेल, पुष्पा सोनी, श्रीमती विमला राय एवं उपस्थित सभी मातृ शक्तियों द्वारा रामायण का पाठ एवं विविध देव शक्तियों के स्वरूप की झांकी प्रस्तुत की जिसमें श्रीमती सरिता दुबे ने भोले जी का श्रीमती नीता शर्मा ने मां गोरा का श्रीमती चंद्रमणि यादव ने भगवान श्री कृष्ण एवं श्रीमती ज्योति पचौरी ने राधा जी का श्रीमती अर्चना राय श्रीमती ने गोपियों के स्वरूप की भूमिका निभाते हुए एक दूसरे को गुलाल लगाकर आपसी भेदभाव मिटाने का संकल्प लेते हुए सद्भावना का वातावरण प्रस्तुत किया।

### सदर मढ़िया में संकीर्तन समाज ने मनाई गुलालमयी होली

राधा कान्हा को गुलाल लगाकर संकीर्तन समाज सभी सदस्यों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया । मुकेश पटेल, कैलाश नेमा पं.सी.बी शर्मा सहित सभी गायक कलाकारों ने होली के गीत सुनाकर आयोजन में समा बांधा। कवि अशोक त्रिपाठी ने अपने हास्य से सभी का भरपूर मनोरंजन किया। उन्होंने जोगीरा सा-रा रा रा रा,सहित होली का प्रेमभरा संदेश यूं दिया । आंखों में आराधना ख्वाबों में है मीत, होली लेकर आ गई रंग रंगीली प्रीत। एड.ओ.पी.गोयल ने कहा होली भारतीय संस्कृति संस्कारों का त्योहार है। प. रामस्वरुप शर्मा ने कहा की होली का पुनीत त्यौहार हमें प्रेम स्नेह सद्भाव भाईचारे से जोड़ता है। आयोजन में पं.एम एल हरदेनिया डा. महेश त्रिपाठी सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

### कलेक्टर एवं एसपी ने किया चेक पोस्ट का निरीक्षण

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** लोकसभा निर्वाचन- 2024 के दृष्टिगत जिले की सीमावर्ती क्षेत्रों की गतिविधियों यथा अवैध शराब परिवहन, मादक पदार्थो, अवैध अस्त्र व नकदी आदि पर निगरानी के लिए बनाये गये एसएसटी चेक पोस्ट करेली एवं पनागर का कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार बुधवार को निरीक्षण किया। उन्होंने निरीक्षण पंजी का अवलोकन भी किया। उन्होंने एसएसटी टीम के सदस्यों को वाहनों की सघन जांच करने तथा इस बात की सावधानी बरतने के निर्देश दिए कि किसी भी यात्री को असुविधा का सामना नही करना पड़े। हर एक वाहन की सघन तलाशी ली जायें। कोई भी वाहन बगैर तलाशी के न जायें।

# कलेक्टर ने लोकसभा निर्वाचन के नोडल अधिकारियों से तैयारियों की समीक्षा

**हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर।** कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने लोकसभा निर्वाचन- 2024 के नोडल अधिकारियों से तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि निर्वाचन में सभी नोडल अधिकारी जिन्हें जो दायित्व सौंपा गया है, उन कार्यो के लिए उत्तरदायी है। सभी आवश्यक तैयारियां समय रहते पूरी कर लें तथा जहां भी कठिनाईयां हो तत्काल अवगत कराएं। जिससे उनका निराकरण किया जा सके। कलेक्टर श्रीमती पटले ने बैठक में मतदान केन्द्रों मे सभी आवश्यक सुविधाएं, आदर्श आचरण संहिता के पालन के लिए गठित संपत्ति विरूपण दल, एफएसटी, व्हीएसटी, व्हीव्हीटी, एमसीएमसी मतदान संपन्न कराने हेतु डाटाबेस की तैयारी, मतदान दलों में लगने वाले मतदानकर्मियों की संख्या, मतदान दल को मतदान केन्द्रों तक पहुंचाने के लिए वाहनो की व्यवस्था, मतदान दलो का रूट, मतदान दलो के प्रशिक्षण, मतदान संपन्न कराने के लिए मतदान सामग्री की उपलब्धता तथा उनके पैकेट तैयार करने की तैयारी, कंट्रोल रूम की स्थापना, प्रशिक्षण तथा स्वीप गतिविधियों, मतदान दलों का गठन, मतदान के पश्चात स्ट्रांग रूम की व्यवस्था, शिकायतों के निराकरण की व्यवस्था की समीक्षा की। इस बैठक में जिला पंचायत सीईओ दलीप कुमार, अपर कलेक्टर अंजली शाह एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

# शांतिपूर्वक मनाई गई होली

**तेंदूखेड़ा-** भाईचारा उत्साह उमंग और उल्लास का त्योहार होलीत्सव संपूर्ण क्षेत्र में शांतिपूर्ण तरीके से मनाई गई।होलिका दहन के उपरांत दूसरे दिन धुडेली पर छोटे छोटे बच्चों ने एक दूसरे को रंग गुलाल लगाया। कुछ लोगों ने पिकनिक स्पॉट पर जाकर होली मिलन किया।शाम के समय नगर के विभिन्न शोकाकुल परिवारों में पहुंच कर गुलाल लगाकर संवेदनाएं व्यक्त की गई।यह सिलसिला पंचमी तिथि तक चलेगा।

# एक अप्रैल से संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा

### हरसिद्धि मंदिर में आयोजन

**तेंदूखेड़ा-** आने वाली एक अप्रैल से सात अप्रैल के बीच नगर के प्रतिष्ठित हरसिद्धि मंदिर परिसर में पं मनोज शास्त्री के मुखारविंद से संगीतमय श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। एक अप्रैल को विशाल कलशयात्रा नगर के मुख्य मार्गों से निकाली जायेगी। कथा के आयोजक डा निजाम सिंह पटेल तथा मुख्य यजमान प्रदीप पटेल है। दोपहर दो बजे से शाम छः बजे तक चलने वाली इस कथा का समापन 7 अप्रैल को होगा तथा आठ अप्रैल को भंडारा प्रसाद वितरण किया जायेगा। आयोजक मंडल ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

### गन्ने के खेत में लगी आग तीन एकड़ फसल खाक

**तेंदूखेड़ा-** विगत दिनों समीपी ग्राम मनकापुर में अवधेश सिंह गंगोलिया के गन्ने के खेत में आग लग जाने से लगभग तीन एकड़ जमीन में लगी फसल जलकर राख हो गई।आग लगते ही स्थानीय लोगों की सहायता से काबू तो पा लिया था वहीं फायर ब्रिगेड भी बुलाई गई लेकिन तकनीकी समस्या के चलते काम नहीं कर सकी।

# कांग्रेस नेताओं ने थामा भाजपा का दामन

**तेंदूखेड़ा-** विगत दिनों तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कांग्रेस के कुछ वरिष्ठ नेताओं ने भाजपा का दामन थाम लिया है। इनमें कुछ ही दिनों पूर्व भाजपा में शामिल हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री सुरेश पचैरी के करीबी माने जाने वाले संजीव मिश्रा तथा सुनील जैन प्रमुख रुप से शामिल हैं। इन्होंने सुरेश पचैरी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री मोहन यादव प्रदेश अध्यक्ष बी डी शर्मा एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चैहान के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। इनके साथ श्रीकांत मोदी और नयन मोदी भी शामिल हुए हैं।